PRGI. No.: MHMUL/25/A2419

प्यूपिल्स टाइम्स

PUPILS TIMES

Volume : 1 ‣ Issue : 24 ‣ Mumbai ‣ Friday, 17 July to 23 July 2026 ‣ Weekly ‣ Pages : 8 ‣ Price : 3 Rs.

पीएम मोदी कैबिनेट की मंजूरी

वाराणसी को गंगा, वरुणा कॉरिडोर का तोहफा

■ लखनऊ-प्रयागराज से जौनपुर तक मिलेगी हाईस्पीड

नई दिल्लीः वाराणसी में दो महत्वपूर्ण कॉरिडोर गंगा एलिवेटेड कॉरिडोर और वरुणा कॉरिडोर को कैबिनेट मंजूरी मिल गई। नेशनल हाइवे के सूत्रों के मुताबिक ये दोनों प्रोजेक्ट की लागत करीब 25000 करोड़ रुपये आने की संभावना है। वाराणसी और आसपास के लोगों के लिए ये दोनों प्रोजेक्ट गेम चेंजर साबित होने जा रहे हैं। वरुणा एलीवेटेड कॉरिडोर पर करीब 6000 करोड़ खर्च होगा। वाराणसी में वरुणा नदी के समानांतर यानी हरगिज-राजा तालाब आर्डर रिंग रोड से शुरू होकर नमो घाट तक ये रोड जाएगा। इस परियोजना को 2028 तक पूरा किया जाएगा। इसके बनने से लखनऊ, प्रयागराज और जौनपुर से आने वाले लोग बिना शहर के ट्रैफिक में फंसे सीधे काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन कर सकेंगे। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (उउएअ) ने नेशनल हाईवे-19 और वाराणसी रिंग रोड के बीच 46 किलोमीटर लंबे लिंक और कनेक्टर कॉरिडोर के विकास को मंजूरी दी है। इस प्रोजेक्ट को कुल 14,447.64 करोड़ खर्च होंगे। NH-19 और वाराणसी रिंग रोड के बीच सीधी कनेक्टिविटी से ट्रैफिक का दबाव घटेगा। इससे यात्रा का औसत समय 60 मिनट से घटकर 20 मिनट रह जाएगा. ठळ-19 और काशी रेलवे स्टेशन के बीच यात्रा 50 मिनट से घटकर करीब 25 मिनट में पूरी होगी। गंगा एलिवेटेड कॉरिडोर NH 19 को वाराणसी रिंग रोड से जोड़ेगा। ये रोड वाराणसी के रिंग रोड से वाराणसी बाईपास होते हुए NH-2 गंगा ब्रिज को जोड़ेगी। इसकी सबसे बड़ी खासियत होगी कि नमो घाट पर डबल डेकर स्ट्रक्चर बनेगा, जिसके ऊपर रेलवे की लेन और नीचे छह लेन हाईवे होगा। गंगा एलिवेटेड कॉरिडोर गंगा नदी के समानांतर कॉरिडोर होगा। यह करीब 46 किलोमीटर लंबा 6 लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर है। **(शेष पेज 5 पर)**

2017 से पहले रोजगार और निवेश का माहौल चौपट था

आज कौशल और सुरक्षा से यूपी बना विकास का इंजन : सीएम योगी

लखनऊः यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व युवा कौशल दिवस-2026 के अवसर पर मंगलवार को कहा कि किसी प्रदेश का भविष्य तभी उज्ज्वल होता है, जब युवाओं को समान अवसर और कौशल विकास का मजबूत आधार मिले। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज अपनी विशाल युवा आबादी को 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' में बदलते हुए कौशल विकास के जरिए अर्थव्यवस्था को नई गति दे रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले की प्रदेश सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि उस समय युवाओं के सामने शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा और पहचान का संकट था, जबकि आज प्रदेश निवेश, रोजगार और कौशल विकास का केंद्र बन चुका है। **(शेष पेज 5 पर)**

पोलैंड के उपविदेश मंत्री का सनसनीखेज दावा

क्या पीएम मोदी ने पुतिन को परमाणु हमले से रोका था ?

नई दिल्लीः रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को लेकर पोलैंड के उपविदेश मंत्री व्लादिस्लाव थियोफिल बातोर्शेवस्की ने एक ऐसा सनसनीखेज दावा किया है, जिसने वैश्विक कूटनीति के गलियारों में हलचल बढ़ा दी है। पोलिश मंत्री के मुताबिक, साल 2022 के अंत में जब यूक्रेन युद्ध अपने सबसे खतरनाक मोड़ पर था, तब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने से रोकने में बेहद 'महत्वपूर्ण भूमिका' निभाई थी। पोलैंड के उपविदेश मंत्री ने एक इंटरव्यू के दौरान भारत की वैश्विक कूटनीतिक साख की सराहना करते हुए कहा कि जब 2022 के उत्तरार्ध (अंत) में रूस द्वारा यूक्रेन पर सामरिक परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आशंकाएं चरम पर थीं, तब पीएम मोदी के हस्तक्षेप ने दुनिया को एक बड़ी तबाही से बचा लिया।

सीबीएसई की पॉलिसी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, दी अहम सलाह

9वीं कक्षा में तीसरी भाषा पढ़ाने से छात्रों में तनाव बढ़ेगा...

नई दिल्लीः सीबीएसई की 9वीं कक्षा में तीसरी भाषा पढ़ाने की नीति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि यह काफी तनावपूर्ण है और ऐसा करने से छात्रों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ेगा। कोर्ट ने केंद्र सरकार को सीबीएसई की इस पॉलिसी को लागू न करने की सलाह दी है। सुप्रीम कोर्ट ने के जस्टिस बीवी. नागरत्ना की पीठ ने कहा कि 9वीं कक्षा में पहले से ही छात्रों पर बोर्ड परीक्षा को लेकर काफी दबाव रहता है. इसलिए अच्छा होगा कि छात्रों को 6वीं कक्षा से तीसरी भाषा पढ़ाएं, न कि नौवीं से। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने यह टिप्पणी तमिलनाडू सरकार की एक याचिका की सुनवाई के दौरान की, जिसमें मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें राज्य के हर जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय खोलने की दिशा में कदम उठाने को कहा गया था। इस दौरान तमिलनाडु सरकार की ओर से कहा गया कि राज्य की आपत्ति केंद्र की तीन-भाषा नीति से जुड़ी है। जिसके तहत सीबीएसई 9वीं कक्षा से छात्रों को तीसरी भाषा सिखा रहा है। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर छात्रों को तीसरी भाषा सिखानी ही है तो इसकी शुरूआत कक्षा 9 से नहीं, बल्कि कक्षा 6 से होनी चाहिए. उन्होंने आगे कहा, 'नौवीं कक्षा पहले से ही छात्रों के लिए तनावपूर्ण होती है। दसवीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी का दबाव आठवीं के अंत से ही शुरू हो जाता है. ऐसे समय में नई भाषा जोड़ना सही नहीं है।' जस्टिस नागरत्ना ने अपने स्कूल के दिनों का उदाहरण देते हुए बताया कि उनके समय में तीसरी भाषा की पढ़ाई मिडिल स्कूल से ही शुरू हो जाती थी. इससे छात्रों को पर्याप्त समय मिल जाता था और बोर्ड परीक्षा तक भाषा पर अच्छी पकड़ बन जाती थी। उन्होंने कहा कि उनके स्कूल में दूसरी भाषा के आधार पर कन्नड़, हिंदी और संस्कृत जैसे विकल्प उपलब्ध थे। उनका मानना है कि जितनी जल्दी नई भाषा सीखना शुरू किया जाए, उतना ही बेहतर होता है। अदालत ने केंद्र सरकार से इस व्यवस्था पर दोबारा विचार करने की सलाह भी दी है।

कर्नाटक में भारत का पहला सरकारी एआई विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा

बंगलुरुः कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने एक अहम घोषणा की। उन्होंने बताया कि कर्नाटक में भारत का पहला सरकारी एआई विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा। उन्होंने इसे कर्नाटक को जिम्मेदार और विश्वसनीय एआई विकास के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में अहम कदम बताया। बंगलूरू इंटरनेशनल एग्जीबिशन सेंटर (बीआईईसी) में आयोजित गूगल आईओ कनेक्ट इंडिया 2026 कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा कि प्रस्तावित एआई विश्वविद्यालय का उद्देश्य विश्वस्तरीय एआई विशेषज्ञ तैयार करना, अत्याधुनिक शोध को प्रोत्साहन देना और शिक्षा जगत, उद्योगों तथा सरकार के बीच सहयोग को नई मजबूती प्रदान करना है।

शोध और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए बनेगा एआई हब : मुख्यमंत्री ने इस मौके पर एक समर्पित एआई हब बनाने की भी घोषणा की। यह केंद्र अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) के लिए इनक्यूबेशन सेंटर के रूप में काम करेगा। इसके माध्यम से स्टार्टअप, निजी कंपनियां, शैक्षणिक संस्थान और नवाचार के क्षेत्र से जुड़े लोग एक मंच पर आएंगे और एआई आधारित तकनीकों तथा समाधानों के विकास को गति मिलेगी।

एआई को बताया सबसे बड़ी तकनीकी क्रांति : डी.के. शिवकुमार ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज के दौर की सबसे बड़ी तकनीकी क्रांति बनकर उभर रही है। उन्होंने इसकी तुलना भाप इंजन, बिजली, इंटरनेट और मोबाइल तकनीक जैसी ऐतिहासिक तकनीकी उपलब्धियों से की, जिन्होंने दुनिया को बदलकर रख दिया था। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक की महत्वाकांक्षा दुनिया के अग्रणी जिम्मेदार एआई केंद्रों में अपनी जगह बनाने की है। बेंगलुरु सिर्फ भारत की तकनीकी राजधानी नहीं है, बल्कि यह दुनिया के सबसे सक्रिय और ऊजार्वान नवाचार पारिस्थितिकी तंत्रों में भी शामिल है।'

भारतीय उत्पादों को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने के लिए

'ब्रांड इंडिया' दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली। सरकार ने ब्रांडिंग, लेबलिंग और निर्यात पैकेजिंग के जरिये भारतीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने के मकसद से वैश्विक आउटरीच पहल से संबंधित विस्तृत संचालन एवं प्रक्रियात्मक दिशानिर्देश जारी किए। यह पहल 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात प्रोत्साहन मिशन के तहत घोषित की गई थी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक सूचना में कहा कि इस पहल का उद्देश्य 'एकीकृत ब्रांड इंडिया ढांचा' विकसित कर भारतीय वस्तुओं एवं सेवाओं के लिए वैश्विक बाजारों का विस्तार और मजबूती देना है, ताकि निर्यात मूल्य श्रृंखला में भारत की स्थिति बेहतर हो सके। इसके मुताबिक, उत्पादों, सेवाओं, निर्यात क्षेत्रों और बाजारों की समय-समय पर पहचान कर उनके लिए ब्रांडिंग, लेबलिंग, पैकेजिंग और प्रचार अभियान तैयार किए जाएंगे। डीजीएफटी ने इन दिशानिर्देशों पर हितधारकों से सुझाव मांगे हैं, जिन्हें सूचना जारी होने की तारीख से 30 दिन के भीतर जमा किया जा सकता है। इस ढांचे के तहत एक 'एंकर' ब्रांड विकसित किया जाएगा, जिसमें विश्वास, गुणवत्ता, सांस्कृतिक विरासत, नवाचार, कारीगरी और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे तत्व शामिल होंगे।

संपादकीय

बरसात में बेहाल होते शहर

एल नीनो के असर के बावजूद मानसून ने देश के हर कोने में दस्तक दे दी है। इससे किसान कुछ हद तक राहत महसूस कर रहे हैं, फिर भी कई क्षेत्रों में बारिश की कमी के कारण फसल की बोआई देरी से चल रही है। फिलहाल यह नहीं कहा जा सकता कि आगे मानसून अपनी गति बरकरार रखेगा और पर्याप्त बारिश होगी। इस कारण खेती को लेकर चिंता बरकरार है और सरकार भी इसे लेकर सजग दिख रही है। मानसून के आगमन ने जहां भारत के अनेक हिस्सों में भीषण गर्मी से राहत दी है, वहीं हर वर्ष की तरह उसने नगर निकायों की पोल खोल दी है, क्योंकि देश के अनेक छोटे-बड़े शहर वर्षा जनित समस्याओं और खासकर जल भराव से त्रस्त हैं। यह कोई नई बात नहीं। दशकों से भारत के शहरों में लोग बरसात में जल भराव और उससे जुड़ी समस्याओं से जूझते हैं। इसके बाद भी नगर निकायों के काम करने के तौर-तरीके बदल नहीं रहे हैं। हमारे नगर निकाय न तो जल भराव से निपट पा रहे हैं और न ही सीवर, नालियों और नालों को उफनने से रोक पा रहे हैं। इसी कारण बरसात होते ही जल भराव के कारण कई तरह की दुर्घटनाएं होती हैं। कहीं ट्रैफिक जाम हो जाता है, कहीं सड़कें धंस जाती हैं, कहीं करंट उतर आता है तो कहीं लोग गड्ढों में भरे पानी या खुले मैनहोल में गिर जाते हैं। हर बारिश में न जाने कितने लोग अपनी जान गंवा देते हैं। इस बार भी ऐसा ही हुआ। बीते दिनों अकेले दिल्ली-एनसीआर में मानसून की पहली बारिश में अलग-अलग दुर्घटनाओं में छह लोग मारे गए। यह बरसात की शुरुआत का हाल है। आने वाले दिनों में जलभराव के साथ कहीं-कहीं बाढ़ की भी स्थिति देखने को मिल सकती है। इसके अलावा भारी बरसात, भूस्खलन या फिर बादल फटने की घटनाओं से भी जान-माल को नुकसान हो सकता है। वहीं मुंबईवासियों को उन्हीं समस्याओं से फिर दो-चार होना पड़ा, जिनका सामना वे वर्षों से करते चले आ रहे हैं। इन समस्याओं से आजिज कुछ लोगों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उसने मामले की सुनवाई करते हुए यह कहा कि जब लोग फुटपाथ, नदी-नालों, सड़कों पर अतिक्रमण कर लेंगे तो यह नौबत तो आएगी ही। उसके अनुसार मुंबई के हालात सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के दुरुपयोग के चलते खराब हुए। अपने देश के बड़े शहर इसलिए और अधिक समस्याओं से घिर गए हैं, क्योंकि उनके बीच स्थित गांव और पुरानी बस्तियां अनियोजित विकास का पर्याय बन गई हैं। उनमें जल निकासी की कोई उचित व्यवस्था नहीं होती और सीवेज सिस्टम भी दोयम दर्जे का होता है। कभी इन गांवों की आबादी सीमित थी, लेकिन शहरीकरण के क्रम में उनकी आबादी हजारों और लाखों में हो गई है। आम तौर पर ग्रामीण इलाकों से जो पलायन होता है, वह इन्हीं शहरी गांवों में आकर बसता है। नगर निकायों ने इन गांवों के आधारभूत ढांचे को ठीक करने के लिए जो कुछ किया है, वह ऊंट के मुंह में जीरे के सामान ही है।

प्रकृति से सामंजस्य बैठाने का समय

वर्षा ऋतु केवल मौसम का एक बदलाव ही नहीं, बल्कि इस धरती पर नवसृजन और संवर्धन का साक्षात आगमन है। भारतीय संस्कृति और दर्शन में प्रकृति को कभी भी मनुष्य से अलग नहीं देखा गया, बल्कि उसे एक परिवार के रूप में स्वीकार किया गया है, लेकिन आज पर्यावरण संकट, ग्लोबल वार्मिंग और जल संकट जैसी चुनौतियां हमारे दरवाजे पर खड़ी हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमें अपने दैनिक जीवन में कुछ मूलभूत सुधार करने होंगे। यदि समाज कुछ विशेष आग्रहों और संकल्पों को अपनी जीवनशैली और कार्यशैली का हिस्सा बना ले, तो हम एक बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं। वर्तमान में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान पूरे देश में एक आंदोलन का रूप ले रहा है। इस अभियान के अंतर्गत समाज के प्रत्येक परिवार को यह जिम्मेदारी उठानी चाहिए कि वे कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसके संरक्षण, पोषण और सुरक्षा का एक पवित्र संकल्प भी लें। जंगलों का जो कटान हुआ है और कंक्रीट के जैसे जंगल खड़े हुए हैं, उसके कारण भी तापमान में भारी वृद्धि हो रही है। वृक्षों के साथ ही जीवन का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण तत्व जल है। जल के बिना इस सृष्टि की गति रुक जाएगी, इसीलिए हमारे समाज में यह गहरा भाव हमेशा से रहा है कि 'जल है तो कल है', लेकिन आधुनिक सुख-सुविधाओं और लापरवाही के कारण हमने अपने जल स्रोतों की घोर उपेक्षा की है। आज हमारे पारंपरिक तालाब सूख चुके हैं, कुएं कचरे से भर गए हैं और नदियों का जलस्तर घट रहा है। भूजल का अत्यधिक दोहन होने के कारण पानी का संकट गहराता जा रहा है। इस गंभीर समस्या का समाधान केवल सरकारी नीतियों से नहीं हो सकता, इसके लिए व्यापक जनभागीदारी की अत्यंत आवश्यकता है। हमें आगे आकर अपने तालाबों, पोखरों, अमृत सरोवरों, प्राचीन कुओं और अन्य

सभी पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण और उनकी स्वच्छता पर ध्यान देना होगा। इसके साथ ही, वर्षा ऋतु में जो असीमित जल आसमान से गिरता है और बहकर व्यर्थ चला जाता है, उसे सहेजना हमारा कर्तव्य होना चाहिए। हमें घरों, विद्यालयों, ग्राम पंचायतों और विभिन्न व्यापारिक एवं सामाजिक संस्थानों में वर्षा जल संचयन यानी रेन वाटर हार्वेस्टिंग की प्रणालियों को स्थापित करना होगा और इसे एक जन अभियान का रूप देना होगा। जब वर्षा का जल सहेजा और सीधे जमीन के भीतर जाएगा, तो भूगर्भ जल का स्तर फिर ऊपर आएगा और आने वाली पीढ़ियों को पानी के संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। पिछले कुछ दशकों में रासायनिक खादों, यूरिया और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग के कारण हमारी उपजाऊ भूमि की सेहत बुरी तरह से खराब हुई है। मिट्टी की प्राकृतिक जीवन शक्ति नष्ट हो रही है और दूषित अन्न खाकर हम तरह-तरह की गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। हमें जैविक और प्राकृतिक खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देना होगा। जैविक खेती का सीधा अर्थ है प्रकृति के नियमों के अनुसार खेती करना। जब किसान इस पारंपरिक और वैज्ञानिक पद्धति को अपनाएगा, तो इससे न केवल हमारी मिट्टी का स्वास्थ्य सुधरेगा, बल्कि अनाज भी शुद्ध और पौष्टिक होगा। यह बदलाव हमारे परिवार, हमारे समाज और पूरे देश को एक स्वस्थ जीवन प्रदान करेगा तथा हमारी कृषि व्यवस्था को अधिक समृद्ध, टिकाऊ और नई मजबूती प्रदान करेगा। वर्षा ऋतु का मौसम जहां खुशहाली और नवजीवन लेकर आता है, वहीं यह अपने साथ स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़ी कई बड़ी चुनौतियां भी लेकर आता है। इन दिनों में थोड़ी सी भी लापरवाही जलजनित और संक्रामक रोगों को जन्म देती है। इसलिए हमें सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करना होगा और नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करनी होगी ताकि जल प्रवाह सुचारु रूप से चलता रहे। बिजली गिरने से सैकड़ों बेगुनाह लोगों और बेजुबान पशुओं की असामयिक मृत्यु हो जाती है। हमें वज्रपात की घटनाओं का पूर्वानुमान तो नहीं मिल पाता, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं। इसी प्रकार, भारी बारिश या अतिवृष्टि के कारण नदियों, नहरों, बांधों और अन्य स्थानीय जलाशयों का जलस्तर अचानक बहुत तेजी से बढ़ जाता है। हालांकि, शासन और प्रशासन ने इन सभी प्राकृतिक चुनौतियों और आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जमीनी स्तर पर व्यापक और पुख्ता तैयारियां की हैं, लेकिन हमें यह सदैव स्मरण रखना होगा कि कोई भी प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह प्रभावी नहीं हो सकती, जब तक उस समाज का प्रत्येक नागरिक स्वयं सतर्क, सजग और अनुशासित न हो। जब हम अपनी धरती को केवल उपभोग की एक वस्तु मान लेते हैं, तो प्रकृति का संतुलन पूरी तरह से डगमगा जाता है। आज हम दुनिया भर में जो बेमौसम बारिश, अत्यधिक सूखा, भयानक बाढ़ और असहनीय गर्मी का प्रकोप देख रहे हैं, वह कुछ और नहीं बल्कि प्रकृति द्वारा संतुलन बहाल करने का एक कठोर प्रयास है। यदि हम चाहते हैं कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित, सुंदर और जीवंत पृथ्वी मिले, तो हमें अपनी आदतों और सोच को बदलना ही होगा।

अमेरिका-ईरान युद्ध से बढ़ती जा रही है भारत की चिंता

अमेरिका-ईरान युद्ध में शामिल न होते हुए भी हम इस जंग के भुक्तभोगी बने हुए हैं और न मालूम इसकी तपिश हमें कब तक झेलनी पड़ेगी। इससे आर्थिक क्षति तो उठानी पड़ रही है, लेकिन राजनीतिक दुविधाएं भी कम नहीं बढ़ीं। संयोग से प्रधानमंत्री मोदी व्यावहारिक होने के साथ ही राजनीतिक दूरदर्शिता से संपन्न भी हैं। देखा जाए तो अमेरिका और ईरान के बीच का युद्ध बहुआयामी है। बहुआयामी इसलिए, क्योंकि ईरान को अपने तेल स्रोतों और व्यापारिक मार्गों से जुड़े हितों की पूर्ति करनी है। ईरान के निकटवर्ती कई तेल संपन्न देशों पर अमेरिका ने अपना सैन्य स्थापत्य बनाया हुआ है। ईरान को लगता है इन्हीं अरब देशों के माध्यम से अमेरिका उसकी तेल संपदा को खतरे में डाल सकता है। इसलिए अमेरिका के साथ-साथ ये अरब देश भी उसके दुश्मनों की ही श्रेणी में हैं। तमाम प्रयासों के बाद कुछ शांति बनी तो वह भी टिकाऊ नहीं रही। स्पष्ट है कि स्विट्जरलैंड में हुआ वादा भरोसे की कसौटी पर टिक नहीं पाया। दोनों ही पक्ष होर्मुज को हथियार बनाकर एक दूसरे पर बढ़त बनाने के प्रयासों में जुटे हैं। न केवल खाड़ी के तेल उत्पादक देशों, बल्कि दुनिया भर के उपभोक्ताओं के लिए होर्मुज की महत्ता किसी से छिपी नहीं। यह जलमार्ग बंद रहे तो थोड़े ही समय में खाड़ी के मुख्य तेल व्यापार पर संकट मंडराने लगेगा। ईरान इसमें एक प्रमुख खिलाड़ी है तो इजरायल भी। इजरायल को लगता है कि जब तक अरबों में एकता रहेगी, तब तक यहूदी राष्ट्र खतरे में रहेगा। फलस्तीन उसकी सीमा पर लगातार खतरे की घंटी बजाता रहता है, जबकि तेल निर्यातकों का बेताज बादशाह बनने की दशकों से हसरत पाले अमेरिका को लगता है कि अरबों के पास काफी तेल संपदा है, लेकिन न तो उनके पास उसके प्रबंधन का हुनर है और न ही वे अपनी सुरक्षा करने में सक्षम हैं। राष्ट्रपति ट्रंप का विचार है कि अमेरिका को आर्थिक और राजनीतिक रूप से महान बनाने के लिए अरब तेल पर जागीरदारी स्थापित करनी ही होगी। इसमें कुछ अरब देश बाधा बन रहे थे। ट्रंप के सोच में अरबों के अतिरिक्त ईरान भी एक बडी बाधा है। ट्रंप को संदेह था कि ईरान परमाणु बम बनाने में एक बड़ी हद तक सफलता के करीब है। खाड़ी युद्ध के बहुआयामी द्वंद्वों का अंतिम समाधान ईरानी नेताओं या ट्रंप के बूते से बाहर दिख रहा है, क्योंकि दोनों पक्षों ने अपने हिमायतियों और शत्रुओं की बड़ी संख्या तैयार कर ली है। अगर हम हर एक मुद्दे को परखना आरंभ करें तो पता चलेगा कि हर मुद्दे का अपना इतिहास है और वह इतिहास टकराव और हिंसा का ही है। खाड़ी क्षेत्र में ईरान एक ऐसा देश है, जो इतिहास के विभिन्न चरणों में कभी साहित्य, दर्शन और भाषा का देश रहा तो

कभी हिंसा और पौरुष का। इस्लाम के उदय के दौर में इस पर इस्लामी आक्रमणकारियों का आधिपत्य हो गया। इस क्रम में जहां अधिकतर अरब सुन्नी हो गए, वहीं ईरान शिया विचारधारा की राह पर निकल पड़ा। असल में एक प्रकार के दुराव ने ही ईरान को पड़ोसी सऊदी अरब के विपरीत वैचारिक-राजनीतिक राह पकड़ने पर मजबूर कर दिया। वर्तमान परिस्थितियों में भी ईरान और सऊदी अरब नदी के दो अलग-अलग किनारे हो गए हैं। तेल के ही कारण सऊदी अरब अमेरिका के साथ और ईरान खुद अपनी राह पर चल पड़ा। अपनी अलग पहचान ने ईरानी नेतृत्व में इस्लामी अधिनायकवादी शासन व्यवस्था को स्थापित किया। ईरान और इजरायल के बीच दुश्मनी परंपरागत है, जिसे ईरानी जन्मजात मानते हैं और इजरायली जातिगत। मौजूदा हालात में इतना तो कहा जा सकता है कि अमेरिका से ईरान का टकराव मात्र होर्मुज पर फैसला होने से तय नहीं हो सकता। जब तक अमेरिका हजारों मील दूर देशों को अपनी सैन्य छत्रछाया के तले रखने की लालसा नहीं छोड़ता, तब तक एशिया के इस संपन्न क्षेत्र को अपने राजनीतिक अधिकार में लाने की योजनाएं बनाता ही रहेगा। आज भले ही लग रहा हो कि दोनों पक्षों के बीच कई मुद्दों पर सहमति हो गई है, लेकिन दोनों पक्षों की भाषा यह बताती है कि तेल मार्ग ही विवाद का कारण बना हुआ है। जबकि परमाणु सामग्री पर अधिकार और परमाणु अनुसंधान के प्रश्न अभी कायम ही रहेंगे। इजरायल भी अपने विस्तार का मामला अमेरिका के कहने पर कभी नहीं छोड़ेगा। इसीलिए फलस्तीन ही नहीं कई और अरब देश भी इस यहूदी राष्ट्र का अंत ही चाहेंगे। बढ़ते अनिश्चय और टकराव की इस स्थिति में भारत अपनी तैयारी की प्रक्रिया को अधूरा नहीं छोड़ सकता। हम विश्व के ऐसे बिंदु पर स्थित हैं, जहां किसी 'राजनीतिक' और 'रणनीतिक कोण' पर हमें तत्पर रहना ही होगा। कश्मीर के एक रणकुशल राजा ललितादित्य मुक्तापीड़ ने अपने राज्य की सुरक्षा के रहस्य के बारे में कहा था, 'कश्मीर को घेरने वाले इन पर्वतों का बचाव तो सीमित ही है। मेरे राज्य की वास्तविक सुरक्षा यहां से सैकड़ों मील दूर गांधार दर्रों पर टिकी है। जो आक्रमणकारी इन दर्रों पर अधिकार करेगा, वही कश्मीर को और फिर भारत को जीत सकेगा।' अपनी रणनीतिक तैयारी के संदर्भ में अपने साथियों के चयन का प्रश्न भी महत्वपूर्ण हो जाता है। रूस दशकों से हमारा मित्र रहा है, लेकिन वह खुद वर्षों से यूक्रेन युद्ध में उलझा हुआ है। खाड़ी युद्ध ने महाशक्ति अमेरिका के कथित अभिमान को भी तगड़ी चोट पहुंचाई है। हमें यह जानना होगा कि एशिया में चीन को महाशक्ति का ओहदा देना हमारे लिए हानिकारक होगा। भले ही सैन्य शक्ति में हम चीन को फिलहाल न पछाड़ सकें, लेकिन उसे मनमानी करने की हैसियत तो हासिल न ही करने दें। ईरान से अमेरिका को मिल रही चुनौती को देखते हुए यह भी लगता है कि किसी पड़ाव पर यूक्रेन भी रूस को थका सकता है। इसलिए हमें कुछ महत्वपूर्ण प्रश्नों का उत्तर खोजना ही होगा। इजरायल के साथ हमारी निकटता वर्षों से है, लेकिन ईरान के साथ भी मित्रता समय के साथ परवान चढ़ती रही है। ऐसे में यदि इन दोनों देशों के बीच टकराव जारी रहा तो हमारे लिए दुविधा बढ़ना तय है। हमें इस दुविधा में अपने लिए कोई अनुकूल स्थिति खोजनी होगी। दीर्घकालिक हितों की पूर्ति के लिए यह आवश्यक हो गया है।

महाराष्ट्र को रेलवे फाटक मुक्त बनाने की तैयारी

145 आरओबी निर्माण को मंजूरी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की घोषणा

मुंबईः मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की कि अगले तीन वर्षों में 145 रेलवे ओवर-ब्रिज के निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। इस पहल का उद्देश्य राज्य के नागरिकों को सुरक्षित, कुशल और तकनीक-आधारित परिवहन सुविधाएं प्रदान करना और साथ ही रेलवे लेवल क्रॉसिंग के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना है, ताकि अंततः महाराष्ट्र को ऐसे क्रॉसिंग से मुक्त किया जा सके। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वर्धमाननगर रेलवे क्रॉसिंग पर चार-लेन वाले रोड ओवर-ब्रिज और राज्य भर में 484 करोड़ की लागत वाली आठ अन्य महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का उद्घाटन किया। वे इस अवसर पर लोगों को संबोधित कर रहे थे। रेलवे क्रॉसिंग के कारण हर साल 21,000 लोगों की जान चली जाती है, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र को रेलवे क्रॉसिंग से मुक्त बनाना एक प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि हालांकि राज्य को ऐसे 524 क्रॉसिंग की आवश्यकता है, लेकिन 121 क्रॉसिंग (जहां 10,000 यूनिट से अधिक का भारी ट्रैफिक होता है) और 145 अन्य स्थानों पर पुलों के निर्माण के लिए मंजूरी दे दी गई है, 'महारेल' इस पूरी परियोजना को अगले तीन वर्षों में पूरा कर लेगी। खासकर रेलवे निर्माण प्रोजेक्ट्स के लिए 'महारेल' के गठन से इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट को काफी बढ़ावा मिला है। नागपुर और मुंबई, दोनों जगहों पर मुश्किल पुलों के निर्माण में व्यवस्थित और तेजी से प्रगति हुई है। महारेल ने नई टेक्नोलॉजी अपनाई है और इसके लिए पेटेंट भी हासिल किया है। अपने भाषण में, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एजेंसी की तारीफ की कि उसने इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को कुशलतापूर्वक पूरा किया जिसमें तेजी और लागत-प्रभावशीलता के साथ-साथ उच्च गुणवत्ता भी बनाए रखी गई। नागपुर शहर और उसके सड़क नेटवर्क को विकसित करने के मकसद से किए गए बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व स्तरीय शैक्षिक सुविधाओं की उपलब्धता और बड़े पैमाने पर नौकरियों का सृजन सामाजिक-आर्थिक विकास को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि भगवान संभानाथ चौक को डिप्टी सिग्नल से जोड़ने वाले रेलवे ओवरब्रिज का नाम पूर्व डिप्टी मेयर बहारिनबाई सोनबोइर के नाम पर रखा जाएगा।

अजित दादा की जयंती को मिली शासकीय मान्यता

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबईः महाराष्ट्र शासन ने स्वर्गीय अजित अनंतराव पवार (दादा) की जयंती को वर्ष 2026 से राज्य में मनाए जाने वाले राष्ट्रपुरुषों एवं महान विभूतियों की आधिकारिक सूची में शामिल करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने 15 जुलाई 2026 को परिपत्र जारी किया। शासन के निर्देशानुसार 22 जुलाई 2026 (बुधवार) को राज्यभर में स्व. अजित दादा की जयंती शासकीय स्तर पर मनाई जाएगी। इस अवसर पर मंत्रालय सहित सभी शासकीय एवं अर्ध-शासकीय कार्यालयों में उनकी प्रतिमा अथवा चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी जाएगी। साथ ही उनके जीवन, कार्यों एवं लोकसेवा से जुड़े विचारों का स्मरण किया जाएगा। परिपत्र में राज्य के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों में भी जयंती के अवसर पर उपयुक्त कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। विभागीय आयुक्तों एवं जिला कलेक्टरों को अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यक्रमों का समुचित नियोजन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। शासन के अनुसार, स्व. अजित दादा ने प्रशासन, विकास एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके सार्वजनिक जीवन और सेवाओं को सम्मानित करने तथा नई पीढ़ी को उनके कार्यों से परिचित कराने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। अब प्रत्येक वर्ष 22 जुलाई को महाराष्ट्र में उनकी जयंती शासकीय स्तर पर मनाई जाएगी।

MHT CET काउंसलिंग को मिली गति

SSC एवं HSC सप्लीमेंट्री परीक्षा परिणाम घोषित

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबईः महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल (MSBSHSE) द्वारा एसएससी (कक्षा 10) एवं एचएससी (कक्षा 12) की सप्लीमेंट्री परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए जाने के बाद MHT CET प्रवेश प्रक्रिया को गति मिलने की उम्मीद है। पूरक परीक्षा में सफल हुए विद्यार्थी अब व्यावसायिक एवं तकनीकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। राज्य के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अनुसार, परिणाम घोषित होने के बाद पात्र विद्यार्थियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन पंजीकरण, दस्तावेज सत्यापन तथा विकल्प भरने की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। अधिकारियों ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित सभी अद्यतन सूचनाएं केवल आधिकारिक वेबसाइट पर ही देखें तथा किसी भी भ्रामक जानकारी से बचें। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि सप्लीमेंट्री परीक्षा उन विद्यार्थियों के लिए दूसरा अवसर होती है, जो नियमित परीक्षा में सफल नहीं हो सके थे। परिणाम घोषित होने के साथ ही ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंजीनियरिंग, फामेसी, कृषि तथा अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के नए अवसर उपलब्ध होंगे। अभ्यर्थियों से समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने तथा आवश्यक दस्तावेज पहले से तैयार रखने की अपील की गई है, ताकि प्रवेश प्रक्रिया बिना किसी बाधा के पूरी की जा सके।

समंदर के पानी को साफ करेगी बीएमसी

मुंबईकरों को गंदे पानी और बदबू से मिलेगी मुक्ति

मुंबईः मुंबई के समुद्र तट मुंबई में पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं। लेकिन मुंबई में लगातार बढ़ती आबादी के कारण समुद्र में मिलने वाले नालों के गंदे पानी की मात्रा भी बढ़ रही है, जिसकी वजह से समुद्र के पानी में बदबू की शिकायतें भी सामने आ रही हैं, इसी के साथ साथ समुद्र का पानी त्वचा के लिए नुकसानदेह बनता जा रहा है। बीएमसी ने इसे गंभीरता से लिया है। अब समुद्र को साफ करने का बीड़ा उठा लिया है। मुंबई में समुद्र में छोड़े जाने वाले अपशिष्ट जल की गुणवत्ता सुधारने और समुद्री पर्यावरण को स्वच्छ बनाने की दिशा में बीएमसी ने घाटकोपर स्थित महत्वाकांक्षी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट परियोजना की गति तेज करने का निर्णय लिया है। अतिरिक्त मनपा आयुक्त (परियोजना) अभिजीत बांगर ने घाटकोपर (पूर्व) स्थित 337 मिलियन लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले एसटीपी

और घाटकोपर पंपिंग स्टेशन उन्नयन परियोजना का निरीक्षण कर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परियोजना का कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर, बल्कि बेहतर योजना के साथ तय समय से पहले पूरा करने का प्रयास किया जाए। उन्होंने कार्यस्थल पर अतिरिक्त मैनपावर तैनात कर निर्माण कार्य में तेजी लाने पर जोर दिया।

नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देशः निरीक्षण के दौरान अभिजीत बांगर ने कहा कि फिलहाल मुंबई में बारिश का असर कम होने से निर्माण कार्य के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। ऐसे में इस अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए परियोजना के विभिन्न चरणों के कार्य समानांतर रूप से किए जाएं, ताकि 31 मार्च 2027 तक एसटीपी का निर्माण पूरा किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को सूक्ष्म स्तर पर योजना बनाकर कार्य करने और प्रत्येक चरण की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गुणवत्ता पहले की तुलना में होगी बेहतर : परियोजना में आधुनिक सीक्वेंशियल बैच रिएक्टर तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, जिससे उपचारित जल की गुणवत्ता पहले की तुलना में काफी बेहतर होगी। निरीक्षण के दौरान उप आयुक्त (अभियांत्रिकी) शशांक भोरे, प्रभारी प्रमुख अभियंता अशोक मेंगडे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना क्षेत्र ठाणे खाड़ी फ्लेमिंगो अभयारण्य सहित इको-सेंसिटिव क्षेत्र से घिरा होने के कारण निर्माण कार्य पर्यावरणीय मानकों का पालन करते हुए किया जा रहा है।

महाराष्ट्र के किसानों के लिए बड़ी खबर

दोहरी बुवाई के लिए मिलेगी आर्थिक मदद

मुंबईः महाराष्ट्र के किसानों के लिए एक बेहद राहत भरी खबर सामने आई है। राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने मंगलवार को किसानों के हित में एक बड़ा ऐलान किया है। अक्सर देखा जाता है कि बाजार में मिलने वाले नकली या घटिया बीजों के कारण किसानों की फसल अंकुरित नहीं होती या बोए गए बीज पूरी तरह नष्ट हो जाते हैं। इस गंभीर संकट को देखते हुए सरकार ने निर्णय लिया है कि अब किसानों को दोहरी बुवाई के लिए जिला योजना विकास समिति (DPDC) के फंड से वित्तीय सहायता और नए बीज उपलब्ध कराए जाएंगे। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि नकली बीज बोने पर या तो बीज अंकुरित नहीं होते या बोए गए बीज नष्ट हो जाते हैं। किसानों पर मंडरा

रहे इस संकट को देखते हुए सरकार ने फैसला किया है कि अब से डीपीडीसी से दोहरी बुवाई के लिए धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार अब बीज उपलब्ध कराएगी। दोहरी बुवाई के लिए धनराशि डीपीडीसी से दी जाएगी। इस योजना को पारदर्शी और त्वरित बनाने के लिए जिला कलेक्टरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जमीनी स्तर पर नुकसान का आकलन करने के बाद एक विस्तृत रिपोर्ट सीधे जिला कलेक्टर को भेजी जाएगी। इस रिपोर्ट के आधार पर ही प्रभावित किसानों को तुरंत राहत राशि और बीज आवंटित करने का निर्णय लिया जाएगा।

नकली बीज बेचने वालों की अब खैर नहीं

■ सरकार केवल राहत देने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इस संकट की जड़ पर भी प्रहार कर रही है। मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि जिन कंपनियों ने किसानों को नकली बीज उपलब्ध कराए हैं, उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज कर लिए गए हैं। पुलिस और संबंधित विभागों को ऐसी धोखाधड़ी करने वाली कंपनियों के मालिकों और डीलरों को तुरंत गिरफ्तार करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

शोक संदेश

स्व. रमेश चन्द्र उपाध्याय

मृत्यु दिनांक
8 जुलाई 2026

वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही॥
– श्रीमद्भगवद्गीता (2.22)

प्यूपिल्स टाइम्स परिवार की ओर से अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि स्वर्गीय श्री रमेश चन्द्र उपाध्याय जी सुपुत्र स्वर्गीय श्री हृदय नारायण उपाध्याय जी वर्तमान निवासः उपाध्याय कंपाउंड, काजूपाड़ा, बोरिवली, मुंबई मूल निवासः ग्राम-पांचो शिवाला, रामेश्वर, जनपद वाराणसी, उत्तर प्रदेश का 8 जुलाई 2026 को दुःखद निधन हो गया। स्वर्गीय श्री रमेश चन्द्र उपाध्याय जी अपने सरल, सौम्य एवं मिलनसार व्यक्तित्व तथा सेवाभावी स्वभाव के कारण समाज में विशेष सम्मान के पात्र थे। उनके निधन से परिवार, आत्मीयजनों एवं समाज ने एक स्नेही, संस्कारी और आदर्श व्यक्तित्व को खो दिया है। उनका स्नेह, मार्गदर्शन और मधुर व्यवहार सदैव स्मरणीय रहेगा।

परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि वे दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवार को इस असह्य दुःख को सहन करने की शक्ति, धैर्य एवं संबल प्रदान करें।
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

शोकाकुल परिवार
पत्नीः गीता रमेश उपाध्याय
पुत्रः श्री अभिषेक रमेश उपाध्याय
तेरहवीं एवं ब्रह्मभोज
दिनांकः 20 जुलाई 2026
स्थानः ग्राम-पांचो शिवाला, रामेश्वर, जनपद वाराणसी, उत्तर प्रदेश

महाराष्ट्र के तीसरे सबसे लंबे समय तक रहने वाले सीएम बने देवेंद्र फडणवीस

मुंबई: महाराष्ट्र की राजनीति में देवेंद्र फडणवीस ने एक बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है। वे अब राज्य के इतिहास में तीसरे सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं। 12 जुलाई 2026 तक, फडणवीस का कुल कार्यकाल लगभग 6 वर्ष और 7 महीने यानी 2,430 दिन का हो चुका है। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

बड़े प्रोजेक्ट और राजनीतिक मजबूती

सीएम देवेंद्र फडणवीस के कार्यकाल में समृद्धि एक्सप्रेसवे, मुंबई नेक्स्ट, पुलिस डिजिटलीकरण और छत्रपति शिवाजी महाराज कृषि सम्मान योजना जैसी कई प्रमुख परियोजनाएं शुरू हुई। विधानसभा चुनाव 2024 में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने 235 सीटों पर शानदार जीत दर्ज की, जबकि भाजपा 132 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। इस जीत ने फडणवीस की राजनीतिक स्थिति को और मजबूत किया तथा अब वह महाराष्ट्र के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेताओं में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि फडणवीस अपना मौजूदा कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा करते हैं, तो शरद पवार के साथ उनके कार्यकाल का यह अंतर भविष्य में और भी अधिक बढ़ जाएगा।

शरद पवार से आगे निकले फडणवीस: शरद पवार अपने चार कार्यकालों में कुल मिलाकर लगभग 6 वर्ष और 221 दिन (2,412 दिन) तक मुख्यमंत्री रहे थे। दिलचस्प बात यह है कि शरद पवार अपने किसी भी कार्यकाल में पांच साल का पूर्ण कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए थे। इसके विपरीत, देवेंद्र फडणवीस ने अपने पहले कार्यकाल (2014-2019) में पांच साल का पूर्ण कार्यकाल पूरा किया था। उनका दूसरा कार्यकाल मात्र छह दिनों का रहा और उनका तीसरा और वर्तमान कार्यकाल 12 जुलाई तक 585 दिन पूरे कर चुका है।

सबसे लंबे कार्यकाल वाले सीएम की सूची: महाराष्ट्र के सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्रियों की सूची में वसंतराव नाइक शीर्ष पर हैं, जिन्होंने 11 वर्ष और 78 दिन (4,096 दिन) तक शासन किया था। इसके बाद दूसरे स्थान पर विलासराव देशमुख हैं, जिन्होंने लगभग 7 वर्ष और 129 दिन (2,686 दिन) तक यह पद संभाला। अब इस सूची में देवेंद्र फडणवीस तीसरे स्थान पर काबिज हो गए हैं।

नागपुर से मुंबई तक का राजनीतिक सफर: 22 जुलाई 1970 को नागपुर के एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे देवेंद्र फडणवीस ने कानून में स्नातक, बिजनेस मैनेजमेंट में पोस्ट-ग्रेजुएशन और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में डिप्लोमा किया है। उनके राजनीतिक करियर की शुरुआत 1992 में हुई, जब वे नागपुर नगर निगम में पार्षद चुने गए। वे लगातार दो बार पार्षद रहने के बाद अब तक पांच बार लगातार विधायक चुने जा चुके हैं। साल 2014 में जब वे पहली बार मुख्यमंत्री बने, तो वे शरद पवार के बाद महाराष्ट्र के दूसरे सबसे युवा सीएम बने थे।

मुख्यमंत्री के रूप में प्रमुख उपलब्धियां: फडणवीस के पास गृह, सामान्य प्रशासन, आईटी, शहरी विकास, विधि एवं न्यायपालिका, बंदरगाह और सूचना एवं जनसंपर्क जैसे प्रमुख विभाग रहे हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने मुंबई नेक्स्ट, पुलिस डिजिटलीकरण परियोजना, समृद्धि एक्सप्रेसवे और छत्रपति शिवाजी महाराज कृषि सम्मान योजना जैसी कई प्रमुख परियोजनाओं और पहलों का नेतृत्व किया है।

2019 का संकट और 2024 की ऐतिहासिक जीत: वर्ष 2019 के राजनीतिक संकट के दौरान फडणवीस ने पांच दिनों के लिए मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, जो उस समय के राजनीतिक घटनाक्रम का हिस्सा था। वहीं, 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व वाले 'महायुति' गठबंधन ने 235 सीटों के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इसमें बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और उसने 132 सीटें जीतीं।

उल्हासनगर: 40 साल की सेवा के लिए मोहन बालानी सम्मानित

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

उल्हासनगर: मानवता की सेवा में चार दशक से समर्पित स्वामी सवार्नंद अस्पताल, उल्हासनगर-5 के वरिष्ठ ट्रस्टी श्री मोहन बालानी जी को आयुर्वेद प्रगति संघ ने सम्मानित किया। 84 वर्षीय बालानी जी को संघ के सचिव डॉ. रूपेश चौमल ने गुलाब भेंट कर आदर व्यक्त किया। श्री बालानी वर्ष 1985 से चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद मरीजों की सेवा कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में अस्पताल में आधुनिक नेत्र चिकित्सा, किफायती किडनी डायलिसिस और अत्याधुनिक आईसीयू जैसी जीवन रक्षक सुविधाएं शुरू की गईं। इनसे क्षेत्र के हजारों जरूरतमंद परिवारों को राहत मिली है। डॉ. रूपेश चौमल ने कहा कि 84 वर्ष की उम्र में भी बालानी जी का सेवा भाव सभी के लिए प्रेरणा है। चिकित्सा क्षेत्र में उनका योगदान अमूल्य है। इस अवसर पर स्थानीय गणमान्य और चिकित्सा क्षेत्र की हस्तियां मौजूद रहीं। सभी ने उनके दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

NMMT ने 150 नई CNG बसें शामिल कीं

गौरव सिंह/ नवी मुंबई

नवी मुंबई म्युनिसिपल ट्रांसपोर्ट (NMMT) ने 150 नई CNG बसों को शामिल करके अपने पब्लिक ट्रांसपोर्ट बेड़े को और मजबूत किया है। इन नई बसों का उद्घाटन महाराष्ट्र के वन मंत्री गणेश नाइक ने घनसोली डिपो में मेयर सुजाता पाटिल और डिप्टी मेयर दशरथ भगत की मौजूदगी में किया। नई CNG बसों को यात्रियों के लिए आधुनिक, पर्यावरण के अनुकूल और आरामदायक यात्रा का अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है। इनके आने से NMMT का लक्ष्य अपनी पब्लिक ट्रांसपोर्ट सेवाओं की गुणवत्ता और दक्षता को और बेहतर बनाना है। NMMT अभी 416 बसों का बेड़ा चलाता है। शामिल की जाने वाली 150 नई CNG बसों में से 65 बसें पहले ही मिल चुकी हैं, जबकि बाकी 85 बसों के आने वाले महीनों में बेड़े में शामिल होने की उम्मीद है। समारोह के दौरान, नई मिली बसों में से 51 बसों को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए वन मंत्री गणेश नाइक ने कहा कि नई CNG बसें यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और पर्यावरण के अनुकूल यात्रा देंगी और साथ ही शहर के पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम की दक्षता को भी बढ़ाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि ये बसें ईंधन की लागत कम करने और पर्यावरण संरक्षण में मदद करेंगी। मेयर सुजाता पाटिल ने नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की उस पहल पर जोर दिया जिसके तहत उसके सोशल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के जरिए 400 महिलाओं को बस ड्राइवर के तौर पर ट्रेनिंग दी जा रही है। उन्होंने कहा कि यह प्रोग्राम महिलाओं को भविष्य में NMMT बसें चलाने में सक्षम बनाएगा। साथ ही, उन्होंने निवासियों को भरोसेमंद और सुरक्षित पब्लिक ट्रांसपोर्ट सेवाएँ देने के लिए ट्रांसपोर्ट विभाग की तारीफ भी की। ट्रांसपोर्ट कमिटी के चेयरमैन विकास जंजद ने ट्रांसपोर्ट विभाग को मजबूत बनाने और उसे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए उठाए जा रहे कई कदमों के बारे में बताया। उन्होंने यह भी कहा कि NMMT के कंडक्टरों, ड्राइवरों और दूसरे कर्मचारियों के कल्याण के लिए कई फैसले लिए गए हैं।

Result Guarantee Above 90% or Money Back
If U R Not Joining Home Tuitions Then U R Missing Many Things
Mumbai's No.1 Premium Home Tuitions Academy
MUMBAI HOME & PRIVATE TUITIONS
1st to 10th ICSE / CBSE / IB / IGCSE / NIOS / State Boards
XI & XII Sci / Comm. IIT, NEET, MHT-CET
Engg, Degree, Diploma, B.Com, Bsc., BMS, MBA, Gmat, Cat, CET, English Speaking
Rajendra Deshmukh
Any Class Home Tuitions Across Mumbai
Get Admission in MBBS
NEET Qualified / Unqualified Fees 25 Lacs (Inc. Food Acc.)
ADMISSIONS OPEN
Branches: Andheri - Worli - Jogeshwari - Malad - Dadar - Borivali - Virar
Thane - Vashi - Nerul - Kharghar - Ambernath - Badlapur
Home Tuitions Benefits
Contact: 902 902 9222 / 80 80 80 34 12 / 8446642380 / 9209128153
https://www.mumbaihometutors.com

PRIME KEYS PROPERTIES
Beyond Dreams
BUY | SELL | RENT
FLATS · SHOPS · BUNGALOWS
LANDS · REDEVELOPMENT
Trusted Property Consultant
Residential & Commercial Deals
Best Market Price Assistance
Contact:
+91 9167378057
Your Dream Property, Our Priority

DR. ZUBER SHAH HOSPITAL & POLYCLINIC
Ambernath (W), Maharashtra
Nursing Home Reg. No.: THN-C274*
FACILITIES AVAILABLE
24x7 Emergency Care – Immediate Critical Support
Diabetology & Advanced Diabetic Care
Fever Treatment (Dengue, Chikungunya, Malaria, Influenza)
Cardiology Checkup & ECG Facility
General Medicine Consultation
Vaccination & Immunization Services
Minor Surgical Procedures
OPD & IPD Care Available
Complete Health Checkups
24 HOURS EMERGENCY SERVICE AVAILABLE
DR. ZUBER S. SHAH
M.B.B.S (Reg. No. 2024020955)
Cert. in Diabetology & Emergency Medicine
+91 9323594085 / 8237304085 | Buvapada, K B Road, Ward No. 2/2, Ambernath West, Thane
Wooden Chawl OPD : 8:00 pm to 11:30 pm | OPD Amber Care : 8149477110

बरसात के दिनों में डेंगू और मलेरिया से बचने के उपाय

■ डॉ. आशीष मिश्रा
श्रीराम पॉलिक्लिनिक व आयुर्वेदिक दवाखाना

बारिश का मौसम शुरू होते ही जहां लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलती है, वहीं यह अपने साथ कई तरह की बीमारियां भी लेकर आता है। बरसात के दौरान संक्रामक बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। इस मौसम में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां तेजी से फैलती हैं, जिसके कारण बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ जाते हैं। अगर आप भी इन बीमारियों से बचना चाहते हैं, तो आप डॉक्टर की ओर से बताए गए इन उपायों को जरूर अपनाएं।

आपको बता दें कि बारिश के दिनों में घरों के आसपास गड्ढों और खाली स्थानों पर पानी जमा हो जाता है। कई बार नालियों की उचित सफाई न होने के कारण भी जलभराव की स्थिति पैदा हो जाती है। जमा हुए पानी में मच्छर और अन्य कीड़े-मकोड़े पनपने लगते हैं, जो डेंगू और मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। यही वजह है कि स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार जाकर लोगों को अपने घर और आसपास साफ-सफाई बनाए रखने के लिए जागरूक भी करता रहता है।

डेंगू और मलेरिया का खतरा

■ वहीं इस संबंध में डॉक्टर ने बताया कि बरसात के मौसम में डेंगू और मलेरिया का खतरा काफी बढ़ जाता है। इन बीमारियों से बचने के लिए लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोगों को घर से बाहर निकलते समय पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनने चाहिए, ताकि मच्छरों के काटने से बचा जा सके। इसके साथ ही बरसात के मौसम में खान-पान का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। फ्रिज में लंबे समय तक रखा हुआ या बासी भोजन खाने से बचना चाहिए। इसके अलावा, साफ और ताजा भोजन का सेवन करना चाहिए और पानी बिना उबाले नहीं पीना चाहिए।

इन बातों का रखें खास ध्यान

■ लोगों को अपने घरों के आसपास पानी नहीं जमा न होने देना चाहिए। कूलर, गमले, टायर और अन्य बर्तनों में भरे पानी को समय-समय पर खाली करते रहें। यदि कहीं जलभराव की समस्या हो तो उसकी सफाई कराएं, जिससे मच्छरों को पनपने का मौका न मिले. यदि बारिश के मौसम में किसी व्यक्ति को हल्का बुखार, शरीर में दर्द या कमजोरी महसूस होती है तो बिना देरी किए नजदीकी अस्पताल जाकर डॉक्टर से जांच और उपचार कराना चाहिए।

'यह परिशिष्ट किसी एक मत या संप्रदाय का प्रचार नहीं, बल्कि मानवता, नैतिकता, आध्यात्मिकता और सहअस्तित्व के सार्वभौमिक मूल्यों का मंच है।'

'आध्यात्मिक संवाद'

क्यों निकाली जाती है भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

ओडिशा का पुरी स्थित जगन्नाथ धाम, चार धाम तीर्थों में से एक माना जाता है। हर साल यहां भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है, जो भारत के सबसे प्राचीन और महत्वपूर्ण धार्मिक उत्सवों में शामिल है। इस यात्रा में आस्था, भक्ति और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को विशेष रूप से सुसज्जित विशाल रथों पर विराजमान कर जगन्नाथ मंदिर से गुंडीचा मंदिर तक ले जाया जाता है। वर्ष 2026 में यह पवित्र रथ यात्रा 16 जुलाई, गुरुवार से प्रारंभ होकर 24 जुलाई को बहुदा यात्रा के साथ संपन्न होगी। जगन्नाथ रथ यात्रा को अत्यंत पवित्र और फलदायी माना जाता है। इस अवसर पर भक्तों को रथों की रस्सियां खींचकर सीधे भगवान की सेवा करने का सौभाग्य मिलता है। मान्यता है कि इस यात्रा में शामिल होने या केवल दर्शन करने से ही विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। कहा जाता है कि रथ खींचने से सभी पापों का नाश होता है और व्यक्ति को जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति का मार्ग प्राप्त होता है। यह यात्रा भक्तों के लिए आध्यात्मिक उन्नति और ईश्वर से जुड़ाव का माध्यम मानी जाती है।

भगवान बलभद्र का रथ (तालध्वज)

■ भगवान बलभद्र का रथ 'तालध्वज' कहलाता है और इसे शक्ति और अनुशासन का प्रतीक माना जाता है।
■ इसमें कुल 14 बड़े पहिए होते हैं।
■ इस रथ की ऊंचाई लगभग 44 फीट होती है, जो इसे अत्यंत भव्य बनाती है।
■ इसे नीले रंगों से सजाया जाता है, जो शांति और स्थिरता का प्रतीक है।
■ धार्मिक परंपरा के अनुसार यह रथ यात्रा में सबसे आगे चलता है।

भगवान जगन्नाथ का रथ (नंदी घोष)

■ भगवान जगन्नाथ का रथ 'नंदी घोष' नाम से जाना जाता है और इसे रथ यात्रा का सबसे प्रमुख रथ माना जाता है।
■ इस रथ में कुल 16 विशाल पहिए होते हैं, जो इसे भव्य और विशेष बनाते हैं।
■ इसका निर्माण लगभग 332 लकड़ी के टुकड़ों से किया जाता है, जो इसकी प्राचीन परंपरा और शिल्पकला को दशार्ता है।
■ इस रथ की ऊंचाई लगभग 45 फीट होती है, जिससे यह दूर से ही आकर्षक दिखाई देता है।
■ रथ को लाल और पीले रंगों से सजाया जाता है, जो शुभता और ऊर्जा का प्रतीक हैं।
■ रथ के ऊपरी हिस्से में हनुमान जी और नृसिंह भगवान के प्रतीक चिन्ह अंकित होते हैं, जो इसकी धार्मिक महत्ता को बढ़ाते हैं।
■ परंपरा के अनुसार यह रथ यात्रा में सबसे पीछे चलता है।

देवी सुभद्रा का रथ (दर्पदलन)

■ देवी सुभद्रा का रथ 'दर्पदलन' कहलाता है और इसे संतुलन एवं सौम्यता का प्रतीक माना जाता है।
■ इस रथ में कुल 12 पहिए होते हैं।
■ इसकी ऊंचाई लगभग 43 फीट होती है।
■ इस रथ को काले रंगों से सजाया जाता है, जो शक्ति और रहस्य का प्रतीक माना जाता है।
■ यह रथ यात्रा में बीच में चलता है और दोनों भाइयों के बीच देवी सुभद्रा की उपस्थिति का प्रतीक है।
■ तीनों रथों का निर्माण अत्यंत पवित्र विधि से किया जाता है और इसमें किसी धातु की कील का उपयोग नहीं होता।
■ भक्तजन इन रथों को अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव से खींचते हैं।
■ यह संपूर्ण यात्रा आस्था, समर्पण और आध्यात्मिक एकता का अद्भुत प्रतीक मानी जाती है।

पेज-1 का शेष

वाराणसी को गंगा, वरुणा कॉरिडोर का तोहफा...

यह नेशनल हाईवे 19 (NH-19) को सीधे वाराणसी रिंग रोड से जोड़ेगा। इससे अस्सी घाट, मणिकर्णिका घाट, नमो घाट और काशी विश्वनाथ धाम तक श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की पहुंच आसान हो जाएगी। इस कॉरिडोर से समय 60 मिनट से घटकर 20 मिनट रह जाएगा। वाहनों की औसत स्पीड 100 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। इसमें 6 लेन का एलिवेटेड मुख्य कैरिजवे, शानदार केबल-स्टेयड ब्रिज, फुटओवर, लूप, रैंप, लिंक रोड और सर्विस रोड शामिल हैं। गंगा एलिवेटेड कॉरिडोर को ऐसे डिजाइन किया गया है कि गंगा नदी के प्राकृतिक दृश्यों और घाटों को कोई नुकसान न पहुंचे। शानदार केबल स्टेड ब्रिज (तारों पर टिका पुल) भी बनाया जाएगा। पर्यटकों के लिए व्यूपॉइंट और दर्शक गैलरी बनेगी, जहां से श्रद्धालु गंगा और उसके घाटों के मनोरम दृश्य देख सकेंगे। गंगा नदी को पार करने के लिए इसमें तीन पैदल चलने वाले झूला पुल भी बनाए जाने हैं।

आज कौशल और सुरक्षा से यूपी बना विकास का इंजन : सीएम योगी...

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश ही नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी युवा कार्यशक्ति वाला प्रदेश है। सरकार इस युवा शक्ति को कौशल विकास से जोड़कर प्रदेश को अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य कर रही है और इसके सकारात्मक परिणाम आज दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश का युवा अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित था। शिक्षा व्यवस्था बदहाल थी, कौशल विकास की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं थी और रोजगार के अवसर भी सीमित थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता का अभाव था और भर्ती प्रक्रियाएं विवादों में घिरी रहती थीं, जिसके कारण युवाओं का भविष्य प्रभावित होता था। योगी ने कहा कि समस्या उत्तर प्रदेश की नहीं थी, बल्कि उस समय की सरकारों की कार्यशैली और सोच की थी। उन्होंने कहा कि जो सरकार युवाओं को रोजगार न दे सके, कारीगरों को पलायन के लिए मजबूर कर दे और किसानों की उपेक्षा करे, वह जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर सकती। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था बेहतर होने के बाद निवेश का माहौल बना और बड़े निवेशकों का विश्वास बढ़ा। उन्होंने कहा कि निवेश के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था और सक्रिय एमएसएमई क्षेत्र आधार का काम करते हैं।

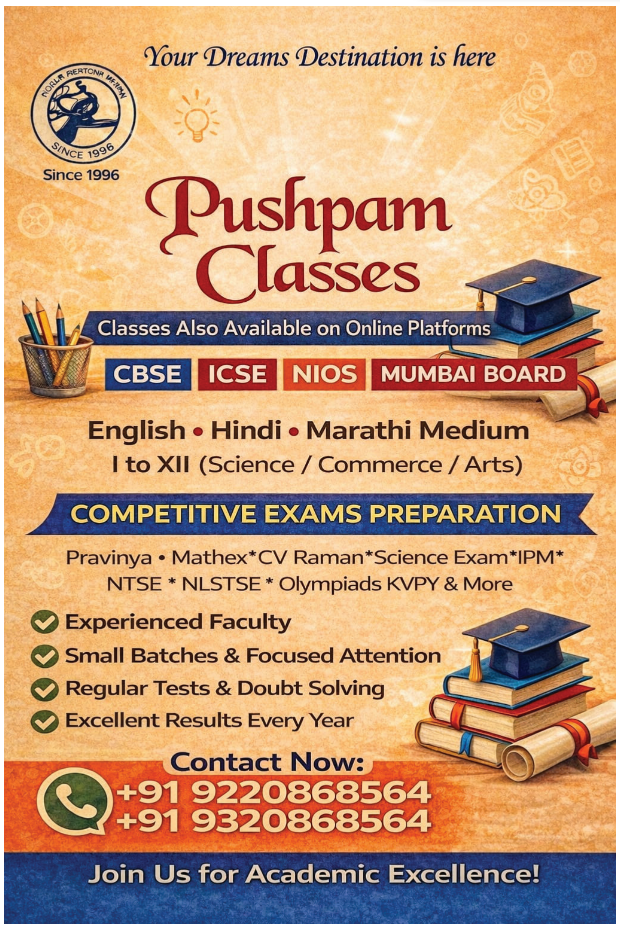

भगवान् जगन्नाथः-भक्तेः, समरसतायाः लोकमङ्गलस्य च प्रतीकः

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

पुरी: भगवान् जगन्नाथः श्रीकृष्णस्य विश्वरूपत्वेन पूज्यते। ओडिशाराज्यस्य पुरी-नगरे स्थितं श्रीजगन्नाथमन्दिरम् भारतस्य चतुर्षु धामसु अन्यतमम् अस्ति। प्रतिवर्षम् आषाढशुक्लद्वितीयायां दिवसे जगन्नाथस्य रथयात्रा समारभ्यते। अस्मिन् महोत्सवे भगवान् जगन्नाथः, अग्रजः बलभद्रः, भगिनी सुभद्रा च भव्यरथेषु आरुह्य श्रीगुण्डिचामन्दिरम् प्रति गच्छन्ति। तत्र ते सप्तदिनानि निवसन्ति। अनन्तरम् आषाढशुक्लदशम्यां बहुदायात्रा नाम

पुनरागमन-यात्रा भवति। ततः सुनाबेशः (स्वर्णवेशः) तथा नीलाद्रिविजयः इत्येताभ्यां उत्सवः समाप्यते। एवं सम्पूर्णः रथयात्रामहोत्सवः प्रायः नव-दशदिनपर्यन्तम् प्रचलति। रथयात्रायां जाति-धर्म-वर्ण-भेदं विना सर्वे जनाः श्रद्धया रथरज्जुं कर्षन्ति। अयं महोत्सवः समता, सेवा, भक्तिः, लोककल्याणम् इत्येतानां भारतीयमूल्यानां सजीवः संदेशः अस्ति। अतः जगन्नाथरथयात्रा केवलं धार्मिकानुष्ठानं न, अपितु भारतीयसंस्कृतेः वैश्विकं गौरवं च अस्ति।

देहरादूने आधुनिक-विज्ञान-नगरस्य निर्माणं भविष्यति

देहरादून: उत्तराखण्डस्य मुख्यमन्त्री पुष्करसिंहधामी देहरादूने आधुनिक-विज्ञान-नगरस्य निर्माणस्य घोषणाम् अकरोत्। अस्याः योजनायाः उद्देश्यः छात्रेषु विज्ञान-प्रौद्योगिकी-नवोन्मेषु रुचिं वर्धयितुम् अस्ति। विज्ञान-नगरे रोबोटिक्स-प्रयोगशाला, अन्तरिक्ष-दीर्घा, 3D-नाट्यगृहं तथा स्टार्टअप-केन्द्रं निर्मास्यते।

नागालैण्डे Assam Rifles-वाहनपङ्क्तौ IED-विस्फोटः, त्रयः सैनिकाः वीरगतिं प्राप्ताः

कोहिमा/मोन: नागालैण्डराज्यस्य मोन-जिले Assam Rifles-वाहनपङ्क्तिं लक्ष्यीकृत्य कृतस्मिन् IED-विस्फोटे त्रयः सैनिकाः वीरगतिं प्राप्ताः, अन्ये च केचन सैनिकाः आहताः। रक्षाविभागस्य सूत्रानुसारं एषः विस्फोटः गश्ती-अभियानस्य समये अभवत्। घटनानन्तरं सम्पूर्णे क्षेत्रे सुरक्षा-व्यवस्था सुदृढीकृता, अन्वेषण-अभियानं च प्रवर्तितम्। अद्यापि कस्यचित् उग्रवादि-सङ्घस्य उत्तरदायित्व-स्वीकारः न जातः।

AEE-पदस्य नियुक्तिः केवलं गुणवत्ताक्रमाधारिता भविष्यति, अफवाहाभ्यः सावधानाः भवत-APTransco

विजयवाडा: आन्ध्रप्रदेशस्य विद्युत्-उपयोगिता-संस्थासु Assistant Executive Enggineer (अएए) पदेषु नियुक्तिप्रक्रिया पूर्णतया गुणवत्ताक्रमाधारिता (Merit), पारदर्शिता तथा निष्पक्षता इत्येतासां सिद्धान्तानां आधारेण भविष्यति। APTransco-संस्थायाः संयुक्तप्रबन्धनिदेशकः (सतर्कता-मानवसंसाधनविकासविभागः) जी. सूर्यसाई प्रवीणचन्दः अभ्यर्थिनः नियुक्तेर्नाम्ना प्रचलिताभ्यः अफवाहाभ्यः तथा मध्यस्थेभ्यः सावधानाः भवितुम् आह्वयति। तेन उक्तं यत् २५ जून २०२६ दिनाङ्के प्रकाशितायाः विज्ञप्तेः अनन्तरं APTransco, APGenco तथा विभिन्नेषु DISCOM-संस्थासु अएए-पदेषु नियुक्त्यर्थम् अद्यावधि प्रायः २३ सहस्राणि आवेदनपत्राणि प्राप्तानि सन्ति। अभ्यर्थिनां चयनं केवलं Computer Based Test (CBT) परीक्षायां प्राप्ताङ्कानाम् आधारेण भविष्यति। एषा परीक्षा पूर्वनिर्धारितकार्यक्रमानुसारं २२ अगस्ततः २९ अगस्तपर्यन्तम् आयोजिता भविष्यति। तेन पुनरुक्तं यत् परीक्षा GATE-इत्यादि राष्ट्रियस्तरीयस्पर्धापरीक्षाणां मानकानुसारं अत्यन्तसुरक्षिततया गोपनीयतया च सम्पादिता भविष्यति। अनियमिततां निवारयितुं विशेषाः प्राविधिक-प्रशासनिकव्यवस्थाः कृताः सन्ति। पाठ्यक्रमे व्यापकः परिवर्तनः न कृतः। केवलं ३०-अङ्कात्मकस्य "Analytical Aptitude" विभागस्य पुनर्विन्यासः कृत्वा General' Intelligence, English, QuantitÖtive Aptitude तथा Computer Knowledge इत्येषु विभागेषु विभाजनं कृतम्। अभ्यर्थिनां साहाय्यार्थं AP Power Recruitment Portal मध्ये चतुर्विंशतिघण्टापर्यन्तं ऑनलाइन-परिवेदन-निवारणव्यवस्था अपि उपलब्धा अस्ति।

संयुक्तराष्ट्रसुरक्षा परिषदः अस्थायी-सदस्यत्वाय भारतस्य अभियानम् आरभ्यते

न्यूयॉर्क: विदेशमन्त्री डॉ. एस. जयशङ्करः संयुक्तराष्ट्रसुरक्षापरिषदः २०२७झ२८ कार्यकालस्य अस्थायी-सदस्यत्वाय भारतस्य औपचारिक-अभियानम् आरभिष्यति। सः

विविधदेशानां प्रतिनिधिभिः सह मिलित्वा भारतस्य समर्थनार्थं निवेदनं करिष्यति। भारतं आतंकवाद-निवारणे, जलवायुपरिवर्तने, सतत-विकासे च स्वस्य योगदानं सुदृढीकर्तुम् इच्छति।

ममता बनर्जी निर्वाचनायोगात् शीघ्रनिर्णयं प्रार्थयति

कोलकाता: पश्चिमबङ्गस्य मुख्यमन्त्री ममता बनर्जी निर्वाचनायोगं प्रति पत्रं प्रेष्य दलसम्बद्धविवादस्य शीघ्रनिर्णयस्य प्रार्थनाम् अकरोत्। तस्याः मतानुसारं अनावश्यकः विलम्बः निर्वाचनप्रक्रियाम् प्रभावितुं शक्नोति। निर्वाचनायोगः उभयपक्षयोः श्रवणानन्तरं नियमानुसारं निर्णयं करिष्यतीति उक्तवान्।

राहुलगान्धिना छात्राः 'शिक्षारक्षण-अभियाने' सहभागितुं आहूताः

नवदेहली/देहरादून: काङ्ग्रेस-दलस्य नेता राहुलगान्धी देशस्य छात्रान् युवांश्च जुलै-मासस्य १७ दिनाङ्के देहरादूने आयोज्यमाने 'शिक्षारक्षण-अभियाने' सहभागीभवितुं आहूतवान्। तेन शिक्षाक्षेत्रस्य रोजगारस्य च विषये स्वचिन्ता व्यक्ता। कार्यक्रमे दलस्य वरिष्ठनेतारः अपि सहभागीभविष्यन्ति।

पश्चिमबङ्ग-सरकारः रथयात्रा-समितिभ्यः आर्थिकसहायतां दास्यति

कोलकाता: पश्चिमबङ्गस्य मुख्यमन्त्री ममता बनर्जी रथयात्रा-समितिभ्यः आर्थिकसहायतां प्रदातुं घोषणाम् अकरोत्। तस्याः मते एषा योजना राज्यस्य सांस्कृतिक-धार्मिकपरम्पराणां संरक्षणाय प्रवर्तिता अस्ति। विपक्षः अस्य निर्णयस्य आलोचनां कृतवान्, राज्य-सरकारः तु सर्वधर्मसमभावस्य सिद्धान्तम् अनुसरतीति प्रतिपादितवती।

हिमाचल भाजपादलं 17 संगठनात्मक जिल्लासु प्रभारिणो नियुक्ता

चेतन बरागटानिमितं सामाजिकमाध्यमम्-आईटीयस्य दायित्वम्

शिमला: भारतीयजनतापक्षस्य (भाजपा) हिमाचलप्रदेशैककेन संगठनस्य जिलास्तरे अधिकसुदृढीकरणस्य उद्देशेन सप्तदशसङ्गठनात्मकजिलानां कृते जिलाप्रभारिणः सहप्रभारिणश्च नियुक्ताः। प्रदेशाध्यक्षः डॉ. राजीवः बिन्दलः गुरुवासरे एतासां नियुक्तीनां घोषणाम् अकरोत्। एतेन सह पूर्वप्रदेशप्रवक्ता चेतनः बरागटा पक्षस्य सामाजिकमाध्यम-तथा-सूचनाप्रौद्योगिकीविभागस्य प्रदेशप्रभारी नियुक्तः। प्रकाशितसूच्यानुसारं चम्बाजिलस्य प्रभारी प्रदेशोपाध्यक्षः विधायकश्च विपिनः परमारः, सहप्रभारी च पूर्वजिलाध्यक्षः रमेशः राणा नियुक्तः। नूरपुरजिलस्य प्रभारित्वं पूर्वसांसदः सुरेशः चन्देलः प्राप्तवान्, प्रदेशप्रवक्ता विनयः शर्मा सहप्रभारी नियुक्तः। काङ्गडाजिलस्य प्रभारी विधायकः विक्रमः ठाकुरः, सहप्रभारी प्रदेशमाध्यमसहसंयोजकः संजीवः शर्मा भविष्यतः। देहराजनपदस्य प्रभारी प्रदेशोपाध्यक्षः पूर्वविधायकश्च राजेशः ठाकुरः, सहप्रभारी प्रदेशसचिवा वन्दना योगी नियुक्ता।

'Hindu Rate of Growth' इति पदस्य विषये पुनः विमर्शः, आर्थिकपदावल्याः पुनर्मूल्याङ्कनस्य अपेक्षा

नवदेहली: प्रधानमन्त्रिणा नरेन्द्रमोदिना 'Hindu Rate of Growth' इति पदस्य विषये कृतस्य वक्तव्यस्य अनन्तरं भारतस्य आर्थिक-इतिहासे प्रसिद्धा एषा संज्ञा पुनरेकवारं विद्वत्सु नीतिनिर्मातृषु च चर्चाविषया अभवत्। अर्थशास्त्रज्ञेन राजकृष्णेन अस्याः संज्ञायाः प्रयोगः विंशतिशतकस्य सप्तदशकस्य उत्तरार्धे एषा संज्ञा प्रचलिता। अस्याः प्रयोजनं सन् १९५०-१९८० कालावधौ भारतस्य प्रायः ३.५ प्रतिशतं वार्षिक-सकल-देशीय-उत्पादन-वृद्धिदरम् (GDP Growth Rate) निरूपयितुम् आसीत्। तस्य अभिप्रायः धार्मिकः नासीत्, अपितु तस्मिन् काले आर्थिकवृद्धेः मन्दगतिं सूचयितुमेव आसीत्। तदा अनुज्ञापत्र-नियन्त्रणव्यवस्था, आयात-प्रतिस्थापननीतिः, सार्वजनिकक्षेत्रस्य प्राधान्यं तथा न्यूनं पूँजीनिवेशनम् इत्यादयः मन्दविकासस्य प्रमुखकारणानि मन्यन्ते। १९९१ तमे वर्षे आरब्धैः आर्थिकसुधारैः भारतीय-अर्थव्यवस्थायाः दिशि महत्त्वपूर्णः परिवर्तनः अभवत्। उदारीकरणं, निजीकरणं तथा वैश्वीकरणनीतयः आर्थिकविकासाय नूतनं मार्गं प्रदत्तवन्त्यः, फलतः विकासदरः उल्लेखनीयतया वर्धितः। अधुना केचन विद्वांसः मन्यन्ते यत् एषा संज्ञा ऐतिहासिक-आर्थिक-सन्दर्भस्य सूचिका अस्ति, अन्ये तु तस्याः सांस्कृतिक-सम्बन्धं भ्रामकं मन्यन्ते। अतः आर्थिक-इतिहासस्य अध्ययनं तस्य मूलसन्दर्भे एव करणीयम्, परिवर्तमानानां आर्थिक-परिस्थितीनां अनुरूपं पदावल्याः पुनर्मूल्याङ्कनमपि समयस्य आवश्यकता इति विशेषज्ञानां मतम्।

धर्मवृक्षः - कलियुगे चतस्त्रः परीक्षाः

Dr. Vandana Mishra
M. A. NET (JRF) PHD

(रङ्गमञ्चे शुष्कः धर्मवृक्षः। विद्युत्प्रकाशः, धूमः। कलियुगस्य प्रवेशः।)

कलियुगः (अट्टहासम्) हा! हा! हा! अहं कलियुगः अस्मि। मम साम्राज्यं मनुष्याणां मनस्सु। यत्र क्रोधः, अनृतम्, कामः, लोभश्च, तत्र मम प्रभुत्वम्। पश्यत! **अयं शुष्कः** धर्मवृक्षः मम विजयस्य साक्षी। यदि एते त्रयः मम चतसृषु परीक्षासु विफलाः, तर्हि धर्मलोपः निश्चितः।

(दिव्यः प्रकाशः। धर्मराजस्य प्रवेशः।)

धर्मराजः धर्मः न कदापि पराजीयते। यावत् मनुष्यस्य सदाचारः जीवति, तावत् धर्मोऽपि जीवति। आरभस्व, कलियुग।

प्रथमा परीक्षा- क्रोधः (द्वौ दुष्टौ अर्जुनं तिरस्कुरुतः। अर्जुनः शस्त्रमुत्थापयति।)

कलियुगः प्रहर! एषा एव वीरता।

धर्मराजः "वरं प्राणास्त्याज्या न तु परहिंसा त्वभिमता।"

अर्जुनः यः स्वक्रोधं जयति, स एव वास्तविकः वीरः।

(धर्मवृक्षे प्रथमं हरितं पत्रं।)

द्वितीया परीक्षा-अनृतम् (परीक्षागृहे। मित्रम् उत्तरपुस्तिकां दर्शयति।)

कलियुगः अवसरः पुनः न लभ्यते।

धर्मराजः "वरं मौनं कार्यं न च वचनमुक्तं यदनृतम्।"

तुलसीः अनृतेन प्राप्तां सफलतां न इच्छामि।

(द्वितीयं हरितं पत्रं।)

तृतीया परीक्षा-शीलम् (रात्रिः। एका महिला साहाय्यं याचते।)

महिला भ्रातः! मां गृहं प्रति नय।

कलियुगः (मन्दम्) अत्र कश्चिदपि न पश्यति...

धर्मराजः "वरं क्लीबैर्भाव्यं न च परकलत्राभिगमनम्।"

मदनः नारी सम्मानार्हा। आगच्छ भगिनि, अहं त्वां सुरक्षितं गृहं नयामि।

(धर्मवृक्षे मुकुलानि।)

चतुर्थी परीक्षा-लोभः (सुवर्णपेटिका।)

कलियुगः गृहाण! अत्र साक्षी नास्ति।

धर्मराजः "वरं भिक्षाशित्वं न च परधनानां हि हरणम्।"

त्रयः यदस्माकं न, तत्र अस्माकम् अधिकारोऽपि न।

(शङ्खनादः। धर्मवृक्षः पूर्णहरितः।)

समापनम्

कलियुगः अद्य मम चत्वारः अस्त्राः पराजिताः।

धर्मराजः धर्मवृक्षः न केवलं भूमौ, अपितु अन्तःकरणेऽपि। यदा धैर्यं क्रोधं जयति, सत्यम् अनृतं, शीलं कामं, अचौर्यं लोभं, तदा सः सदा हरितः।

सर्वे "धर्मो रक्षति रक्षितः। सत्यमेव जयते।"

(शङ्खध्वनिः। यवनिका।)

Nitin Gadkari's big announcement

Now I'm gonna bring a flying bus

Lucknow: Union Road Transport and Highways Minister Nitin Gadkari has announced that he will soon bring a flying bus. Speaking at the inauguration of the Lucknow-Kanpur Expressway, Gadkari said that he has brought many new technologies, including a water-landing ship. Now he will bring a flying bus in the future. He also talked about reducing the time taken to reach from one place to another through this. Nitin Gadkari said, "I have just brought many new technologies like ropeway, cable car etc. Now I am going to bring a flying bus in the air. A water-landing airplane was brought in, which landed in the sea. I will prepare a rapid transport system so that you will not even know when you will reach from one corner to the other. I will try to start this also. Gadkari said that road projects worth Rs 5 lakh crore will be completed in UP in the next

two years. He also announced new road projects worth Rs 50,000-60,000 crore for the state. Gadkari said this while addressing the inauguration and foundation stone laying ceremony of three National Highway projects costing more than Rs 4,850 crore. Chief Minister Yogi Adityanath and Defense Minister Rajnath Singh were also present in this program. The Union Minister said, "I assure Chief Minister Yogi Adityanath that the new projects worth Rs 50,000-60,000 crore which were discussed in the meeting with officials have been approved. Apart from this, road projects worth Rs 5 lakh crore will be completed in Uttar Pradesh in the next two years. He said that infrastructure is the cornerstone of economic development and power, transport are the main pillars to attract investment and promote trade and industry.

'Where there is good infrastructure, there...'

■ Gadkari said, "Where there is good infrastructure, business, trade and industry flourish there. Capital investment increases, employment opportunities are created and poverty, hunger and unemployment reduce." He said that before the formation of the Bharatiya Janata Party (BJP) government at the Center in 2014, the development of Uttar Pradesh was not happening at the expected pace, but after that it has gained momentum. Gadkari displayed the photo of former US President John F. Kennedy in his office when he was a minister in the Maharashtra government. Quoting a quote from Kennedy, he said, "America's roads are good not because America is rich, but America is rich because its roads are good."

Gadkari called UP the 'heart of India'

■ Describing Uttar Pradesh as the 'heart of India', Gadkari said the country's development is deeply linked to the state's progress. "If Uttar Pradesh becomes prosperous, per capita income increases, exports increase and road infrastructure is strengthened, India's growth rate will also accelerate," he said. The Union Minister said that though metro projects do not fall under the jurisdiction of his ministry, the government is working on other options for electric-based mass transit, including ropeway-based systems and elevated electric buses. Announcing six-laning of the Lucknow-Sitapur highway at a cost of about Rs 1,200 crore, he said this will reduce the travel time between the two cities from two hours to about 50 minutes.

IIT Madras student wins Miss Universe Telangana 2026 title

Chennai: Hasitha Narayanbhatta, studying Data Science and Applications at IIT Madras, has achieved a new milestone by breaking the old trend. Along with studies, she has won the title of Miss Universe Telangana 2026. Now she will represent Telangana in the Miss Universe India competition. Hasitha has done B.Tech from GNIT, Hyderabad. Along with studies, she also performed brilliantly in beauty pageants. Their success shows that with hard work and the right balance, students can achieve great achievements in their other interests along with studies. Hasitha Narayanbhatta did not limit herself only to engineering and data science but she also took training in remote sensing and digital image analysis from ISRO's Indian Institute of Remote Sensing (IIRS). Her achievements in all the three fields of studies, technology and beauty pageant make her recognized as a versatile youth of the new generation. Now Hasitha is preparing to represent Telangana in Miss Universe India 2026. Her journey from engineering classes to the beauty pageant stage shows that with hard work, confidence and passion, many dreams can be fulfilled simultaneously.

Women's Reservation and Delimitation Bill likely to be passed in monsoon session : Eknath Shinde

New Delhi: Maharashtra Deputy Chief Minister and Shiv Sena leader Eknath Shinde on Wednesday expressed confidence that the women's reservation and constituency delimitation bills will be passed in the upcoming monsoon session. Addressing a press conference in the national capital, Shinde said the population of Lok Sabha constituencies has increased from about 20 lakh to 25 lakh. He said that it has become extremely difficult to carry out development work in such large constituencies. Therefore, delimitation of constituencies is extremely necessary to provide justice to the general public. MPs Sanjay Deshmukh, Sanjay Jadhav, Bhausaheb Wakchore, Omraje Nimbalkar and Nagesh Patil

Ashtikar were also present along with Deputy Chief Minister Shinde.Focusing on the Women's Reservation Bill, Shinde praised Prime Minister Narendra Modi for taking decisive action on what earlier had only been endless discussions. He said that Prime Minister Modi showed courage in presenting this bill. Unfortunately, it could not be passed in the last session due to opposition, which cost them dearly in the West Bengal elections. If the opposition has now shown some understanding and understanding, it is a positive sign. He appealed to all the opposition parties to unite and support this bill so that women can get justice.
Shinde shared details of a fruitful meeting he had with Union Home Minister Amit Shah regarding important development projects in Maharashtra. The discussion covered irrigation challenges in various constituencies and important regional issues like Marathwada Irrigation Project, railway and road infrastructure development, Pradhan Mantri Awas Yojana (PMAY) and urban and rural development schemes, including the 'Develop India' initiative.

Cabinet approves two railway projects worth Rs 3,907 crore in Odisha and Jharkhand

New Delhi: The Cabinet Committee on Economic Affairs (CCEA), chaired by Prime Minister Narendra Modi, approved two multi-tracking railway projects costing Rs 3,907 crore covering four districts of Odisha and Jharkhand. Under these projects, the Indian Railway network will expand by about 145 kilometers. According to the Cabinet, these projects will significantly increase the capacity of the railway line, which will make the movement of trains more convenient. Along with this, the operational efficiency and service reliability of Indian Railways will also improve. The government said the proposed multi-tracking projects will provide better rail connectivity to about 1,526 villages, home to a population of about 14 lakh. Apart from this, these projects will also make access to many major tourist destinations of the country easier. These include major tourist destinations like Lalitgiri Buddhist Complex, Sri Baladevajyu Temple and Meghahatuburu Hills. In a statement issued by the

Cabinet, it has been said that these railway routes are very important for the transportation of important mineral and industrial commodities like coal, iron ore, dolomite, limestone and gypsum. According to the government, after the completion of these projects, the freight capacity of the Railways will increase significantly and it will be possible to transport an additional 44 million tonnes (MTPA) of freight every year. The statement said that railway transport is an environment-friendly and energy efficient mode. These projects will help achieve the country's climate goals, reduce logistics costs and save approximately 6 crore liters of oil. It will also reduce 29 crore kilograms of carbon dioxide (CO_2) emissions, which is equivalent to the environmental benefits of planting approximately 1 crore trees. The government said that these multi-tracking projects will make railway operations more streamlined and play an important role in reducing congestion on existing railway routes.

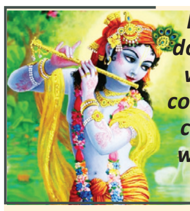

If a person does what he wants with confidence, he can become whatever he wants.

PUPILS TIMES

It is impossible for an embodied person to give up all his actions; the one who gives up the results of his actions is called a renunciant.
Geeta Sermon

Friday, 17 July to 23 July 2026

Winning the Battle Against Obesity

Bariatric Surgery and the Road to a Healthier Life

Dr. Arvind singh Rana
MBBS, DNB (General Surgery)
General & Laparoscopic Surgeon Coloproctologist
FACRSI, FAMS FIAGES

If you've tried dieting, regular exercise, and medications, yet your weight refuses to come down, you're not alone. Millions struggle with obesity despite their best efforts — and for many, the solution lies beyond willpower alone.

Obesity is no longer about appearance. It is a chronic disease that significantly increases the risk of type 2 diabetes, hypertension, heart disease, fatty liver, sleep apnea, joint disorders, and certain cancers. For those who do not achieve sustainable weight loss with lifestyle changes and medical therapy, bariatric surgery is a scientifically proven, life-changing option. Contrary to popular belief, bariatric surgery is not just about weight loss. It is metabolic surgery that restores healthier metabolic function, improves hormonal balance, and helps control obesity-related illnesses. By reducing stomach capacity and, in select procedures, modifying nutrient absorption, it promotes early satiety, sustained weight loss, and long-term health benefits.

Today, procedures like Sleeve Gastrectomy and Roux-en-Y Gastric Bypass are performed with advanced laparoscopic techniques. These minimally invasive surgeries mean smaller incisions, less pain, minimal blood loss, lower infection risk, and faster recovery — allowing patients to return to daily life much sooner.

Bariatric surgery is not cosmetic. It is recommended only after thorough evaluation of patients with severe obesity or obesity-related conditions by a multidisciplinary team including a bariatric surgeon, physician, and dietitian.

However, long-term success goes beyond the operating room. Lifelong healthy eating, regular activity, nutritional supplements, and scheduled follow-up are essential for excellent outcomes.When done for the right patient, at the right time, with expert guidance, bariatric surgery does more than reduce weight — it restores health, improves quality of life, and offers a renewed chance to live longer and better.

Inauguration of 75 Amrit Bharat stations simultaneously

Prime Minister Narendra Modi will give a big gift to Punjab

New Delhi: Prime Minister Narendra Modi will inaugurate 75 Amrit Bharat stations simultaneously. PM will visit Punjab on 17th July. During this time, he will start many railway projects. PM Modi will inaugurate the new look of Jalandhar Cantt Railway Station. This is a 110 year old station which has been revamped by the Central Government under 'Amrit Bharat Station Scheme'. This is part of a larger plan to bring modernization in the railway sector. With this project, passengers will get better facilities, railway stations will be easier to reach and they will be transformed into transport hubs.

New train will run for Varanasi : Apart from inaugurating this new look station, he will also lay the foundation stone of another train service between Jalandhar and Varanasi. This train has been named 'Shri Guru Ravidas Ji Maharaj' Express. It is named in honor of the great saint, who propagated the principles of equality and social justice. The roots of these principles are still very deep in Punjab, especially among the Scheduled Caste community. The Prime Minister will be in Jalandhar on July 17 from 3.55 pm to 5.15 pm. Describing the occasion as an important moment for the railway infrastructure of Punjab, the Punjab BJP chief said that these stations have been converted into modern and convenient transport hubs for the passengers. They have been provided with world class facilities and at the same time their local heritage and architectural identity has also been maintained.

What are the facilities at the station?: The redevelopment includes improved passenger amenities, easier access, improved waiting areas, modern concourses, upgraded platforms, lifts, escalators and other convenient infrastructure for passengers. Dhillon said that unprecedented changes are taking place in Indian Railways under the visionary leadership of PM Modi. The objective of 'Amrit Bharat Station Scheme' is to develop railway stations across the country as modern gateways, thereby promoting connectivity, tourism, trade and economic development.

PM Modi's big visit before Punjab elections: With only a few months left for the assembly elections, Punjab BJP leaders are preparing for this tour and trying to show it as development-centric. In a Facebook post, Punjab BJP leaders welcomed PM Modi and described the event as a milestone for their state. It was also told that PM Modi has visited many other states in the last few years, but he did not get a chance to visit Punjab and now he will get a chance to meet the people of Punjab. This visit is also important because political activities are going on in Punjab, where parties have started taking steps to sharpen their election strategies for future elections. For the BJP, whose journey as a political party in Punjab is quite new compared to other states and which has depended on political alliances in the state for many decades, this visit will provide an opportunity to reach out to the voters in Punjab with the message of development.

AIBE 21 Result 2026 : Result may be released Soon

New Delhi: The wait of the candidates who appeared in All India Bar Examination (AIBE) 21 may end soon. Bar Council of India (BCI) can release AIBE 21 Result 2026 today. Although its official announcement has not been made. After the release of the result, candidates will be able to download the scorecard with the help of their login credentials by visiting the official website of BCI, allindiabarexamination.com. The AIBE 21 scorecard to be released will contain information about the candidate's marks, qualifying status and eligibility for Certificate of Practice (CoP). Candidates who score the prescribed minimum marks in the examination will be granted a Certificate of Practice (CoP), after which they will be eligible to practice law in the country. Along with checking the result, candidates must also check the qualifying marks determined according to the category. This will make it clear whether they have passed the exam or not.

You will pass if you get so many marks according to the category

Bar Council of India (BCI) has fixed the minimum qualifying marks for different categories of candidates for AIBE 21 exam. After the release of the result, candidates will be able to compare their obtained marks with these marks to know whether they have been successful in the examination or not.

General Category: Candidates in this category must score at least 43 marks (45%) to pass the exam.

Other Backward Classes: OBC category candidates will have to score at least 38 marks (45%), only then they will be considered successful.

Scheduled Caste/Scheduled Tribe (SC/ST): It is mandatory for SC and ST category candidates to obtain at least 32 marks (40%) to pass the examination. Candidates are advised to compare the marks recorded in their scorecard with these category-wise qualifying marks after the release of the result. This will make it clear whether they are eligible to get a Certificate of Practice (CoP) or not.

What is AIBE?

All India Bar Examination (AIBE) is a national level certification examination conducted by the Bar Council of India (BCI). This examination is conducted for candidates who have completed law studies. After passing AIBE, candidates get a Certificate of Practice, on the basis of which they can officially practice law in the courts of the country. Apart from LLB pass candidates, final year students can also appear in this examination as per the prescribed rules. In the last session AIBE 20, a total of 69.21 percent candidates were successful in the examination.

PUPILS TIMES

Core Committee

Shivprakash Pandey	Chief Publisher
Vikas Maurya	Co Publisher

Address : Shop No.3, Khatri NX Aprt., Valivali, Badlapur (West) - 421503.
Web : pupilstimes.com

LIC
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
"With you in life, and after life"

POPULAR LIC PLANS:
- ✓ Jeevan Labh — Limited Premium, High Returns
- ✓ New Children's Money Back — Secure Your Child's Future
- ✓ Jeevan Umang — Whole Life Cover + Pension Benefits
- ✓ Bima Jyoti — Guaranteed Additions, Safe Growth
- ✓ Also Available – Complete Financial Planning Guidance

KEY BENEFITS:
- ✓ Life Insurance + Savings Plan
- ✓ Child Education and Marriage Planning
- ✓ Retirement Planning
- ✓ Tax Benefits Available

भारतीय जीवन बीमा निगम
"ज़िंदगी के साथ भी, ज़िंदगी के बाद भी"

FREE POLICY CONSULTATION

LIC Agent
Archana Shukla
+91 91129 39085
+91 74998 67628

Shop No. 2, Near Vithal Mandir, New Vadavali Chowk, Badlapur (West) – 421503

LIC Agent ID: 04497939

ANURAG SHUKLA CHIEF EDITOR . Mob.: +91 9167378057, E-mail: anurag@pupilstimes.com. www.pupilstimes.com

Printes, Published & Owned by : **ANIL MISRA,** Printed at **SOMANI PRINTING PRESS,** UNIT NO. 04, GROUND FLOOR, N. K. INDUSTRIAL ESTATE, OFF. AAREY ROAD, GOREGAON (E.), MUMBAI, MAHARASHTRA - 400064. **Published at :** 94, 1/3 JAI JAWAN VASAHAT, SHIVSHRUSHTI ROAD, KURLA (EAST), MUMBAI - 400024 (MAHARASHTRA). (The editor does not necessarily agree with the news, artical and advertisements published in this issue. Any disputes are subject to the jurisdiction of the Mumbai court) Editor - **ANIL MISRA** , Mob. : 92208 68564, **Email :** anilmisrapc@gmail.com. **PRGI. No. : MHMUL/25/A2419**